ESTABLISHMENT - 1965

SCHOOL OF STUDIES IN LITERATURE & LANGUAGES

Facilities

i. Wifi/LAN equipped classrooms
ii. ICT Seminar Hall
iii. Well furnished Language Lab
iv. Girls Common Room
V. Research Scholar Room
vi. Departmental Library

Pt. Ravishankar Shukla University Raipur (C. G.) 492010

E-mail : shailshar25@gmail.com

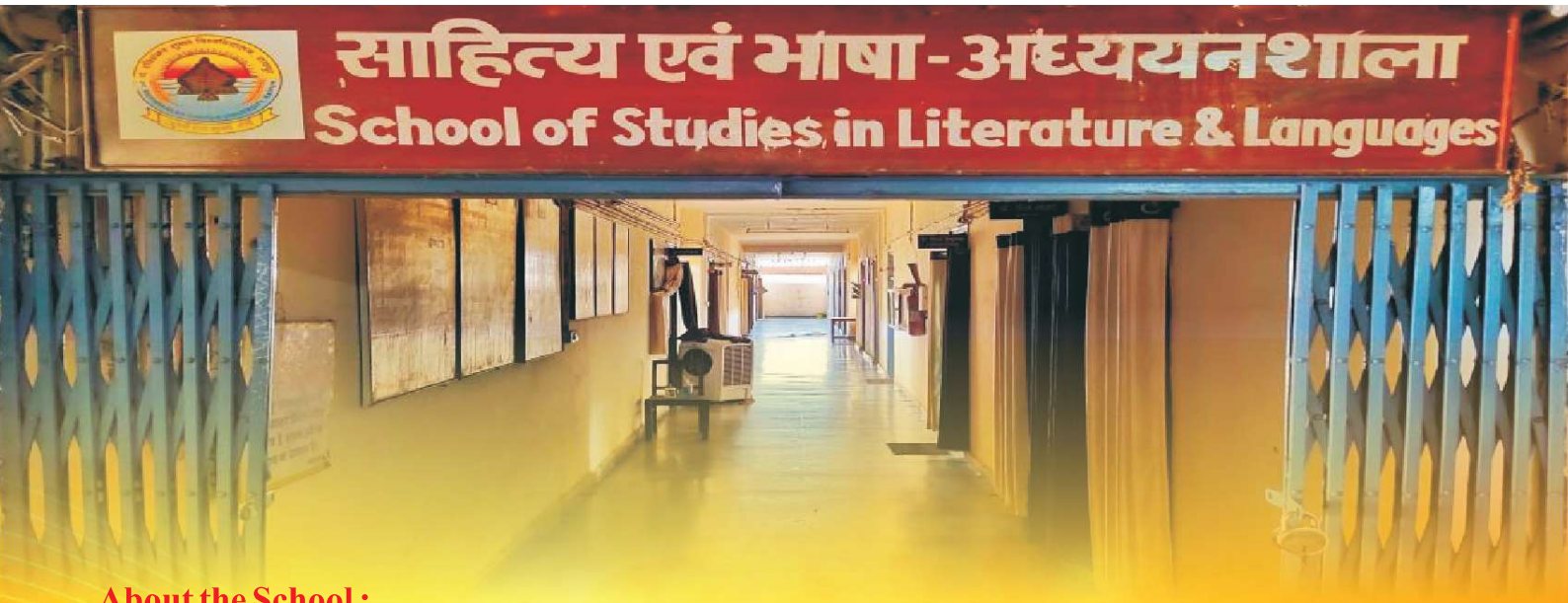

About the School :

The department of Linguistics & Languages was started by the then Vice-Chancellor Dr.Babu Ram Saxena in 1965. The department was then headed by Dr. R. C. Mehrotra who served the department for 28 years. Currently the School of Studies in Literature & Languages is headed by **Prof. Shail Sharma.** After the emergence of School of Studies in English and School of Studies in Hindi, the School of Studies in Linguistics and Languages has been changed to 'School of Studies in Literature and Languages' as per the decision of the Coordination Committee in the year 2001. The School of Studies in Literature & Languages serves as nucleus mainly for the maintenance and development of Languages and Literature through teaching, intra and inter disciplinary research and projects. The output of research and projects draws the attention of Language-planners of Chhattisgarh. The school has been constantly engaged in training the youth in strengthening Hindi, English, and Chhattisgarhi for their practical as well as academic purposes. The objectives of the programmes run by the School are to enrich the students with linguistic and literary competence and also to enable them to perform efficiently in different domains.

Vision-

- Extensive studies of Linguistics &Languages - English, Hindi, Chhattisgarhi, French, Sindhi.
- Diversified spectrum of Research field :Descriptive, Historical, Social, Cultural, Geographical, Comparative Studies.
- To create a better world driven by technology and rooted in values through enlightened and empowered teachers.

Mission–

. To develop the department as a centre of excellence for higher education at national and international level

. To impart quality education and develop high quality Scholars with ingenuity, creativity, innovation, leadership, ethical values and societal commitment for the integrity and prosperity of our nation.

- **To deepen understanding of the students about the greater purpose of life and instill in them the value of self-esteem and self-reliance:**
  - **By providing world-class education through innovative teaching of the finer points of Literature and Languages.**
  - **By promoting qualitative research in the field of Language and Literature.**
  - **By creating environment conducive to overall development of students**

Linguistics: Language is an essential part of human life. A society without language is inconceivable. Language is the most appropriate and efficient medium of communication. As language exists in society, it is a subject of humanities but when it deals with its sounds, structure and meaning it becomes 'Science'. Linguistics covers all those areas that deal with the subjects of language acquisition and language teaching. It also enquires how the change in the modern scenario affects language. The School has produced **5 D. Litt.**, **102 Ph.D., & 316 M.Phil**. in Linguistics till date. Currently the department has **09 research scholars** pursuing Ph.D.

Diploma/Certificate Courses: Along with the research activities and P.G. courses, Diploma and Certificate courses are also a part of the curriculum. Diploma in European and Asian Languages includes teaching of English and French. The purpose of this program is to augment proficiency of students in English and foreign languages. In present scenario there is a growing demand of people with working knowledge in foreign languages in different professions. The department has produced many Diploma holders in Phonetics and Indian Languages, English, French, Russian, German, Telugu, Hindi, Urdu and Arabic till date.

English: Since its inception in 1965 the department had been offering Post Graduate programme in Linguistics only. In the due course of time, a need and growing demand for the integration of English in the curriculam was realised. This lacuna was filled with the commencement of **M.A. (English) in 1991** and **M.Phil. (English) in 1994**.The courses in English have achieved remarkable success. The School has produced **24 Ph.D**. and **280 M.Phi**l.till date. The School continues to impart its share in the development of Chhattisgarh state by paving the way for success and achievement of aspirations and goals in all fields.Currently the department has **04 research scholars** pursuing Ph.D.

हिंदी - साहित्य एवं भाषा-अध्ययनशाला हिंदी के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु राज्य की प्रतिष्ठित अध्ययनशाला में विनोद कुमार शुक्ल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र, अशोक वाजपेयी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रो. मोहन जैसे हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकारों एवं ओजस्वी वक्ताओं के व्याखान्य से इस अध्ययनशाला की गरिमा में श्रीवृद्धि हुई । स्थापना के बाद से ही हिंदी को सहज सरल बनाने एवं विस्तार देने की दिशा में अध्ययनशाला का उतरोत्तर प्रयास रहा है । विदयार्थियों को नेट, सेट, एवं जे.आर.एफ. के लिए तैयार करने, समय की मांग के अनुरुप राजभाषा प्रशिक्षण, प्रयोजनमूलक हिंदी, भारतीय साहित्य, लोक साहित्य का पाठयक्रम में समावेश कर भाषा को विविध क्षेत्रों में परिभाषित करना भी उद्देश्य रहा है । मध्यकालीन, रीतिकालीन, आधुनिक हिंदी साहित्य, लोक साहित्य, काव्यशास्त्र का तुलनात्मक तथा ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक एवं दार्शनिक परिवेश में शोध-कार्य अध्ययनशाला का ध्येय है । विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों की जिज्ञासा में वृद्धि, उनके अध्ययन को गुरुता प्रदान करने के साथ ही शिक्षकों के शिक्षण-कौशल एवं विचारों की अभिव्यक्ति के लिए अध्ययनशाला में समय-समय पर परिसंवाद, संगोष्ठी, सम्मेलन एवं अन्य साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है । हिंदी भाषा एवं साहित्य को बहुआयामी रुप देने के साथ ही विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच एवं जागरुकता लाने तथा क्षेत्र की लोक-कलाओं को जीवंत बनाए रखने की दिशा में इस अध्ययनशाला का विशेष योगदान रहा है । सत्र 1998-99 से एम. ए. (हिंदी) की एवं 2002-03 से एम. फिल. (हिंदी) का अध्यापन प्रारंभ हुआ । इस अध्ययनशाला से 1 डी. लिट्., 38 पी-एच.डी., एवं 140 एम. फिल. हो चुके हैं । वर्ष 2004 से हिंदी में पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान किए जाने की शुरुआत हुई । वर्ष 2010 में डी. लिट्. की उपाधि प्रदान की गई । यहाँ एम. ए. में 20 एवं एम. फिल. में 10 विद्यार्थियों के अध्ययन की सुविधा है । वर्तमान में यहाँ 12 शोधाथ हिंदी साहित्य के विविध क्षेत्रों में शोध कार्य कर रहे हैं ।

छत्तीसगढ़ी - छत्तीसगढ़ प्रदेश की मातृभाषा छत्तीसगढ़ी है । इस समृद्ध भाषा का पहला व्याकरण सन् 1885 में लिखा गया । छत्तीसगढ़ प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद 28 नवंबर 2007 को छत्तीसगढ़ी भाषा को राजभाषा घोषित किया गया । छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य, और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य सन् 2013 में छत्तीसगढ़ी में एम. ए. पाठ क्रम प्रारंभ किया गया । 40 सीटों के साथ यह पाठयक्रम लगातार सात वर्षो से सफलतापूर्वक संचालित है । इस पाठयक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ इस भाषा के विकास एवं आगामी प्रयोग एवं अनुवाद के माध्यम से इसे समृद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है । इन दस वर्षो में 378 छात्रों को एम. ए. की उपाधि प्राप्त हो चुकी है । श्री केयूर भूषण, पद्मश्री सुरेंद्र दुबे, श्री लक्ष्मण मस्तुरिया, श्री दाने वर शर्मा, श्रीमती निरुपमा शर्मा, श्री चंद्रकुमार चंद्राकर, डॉ. विनय कुमार पाठक जैसे अनेक छत्तीसगढ़ी भाषा के विद्वानों के व्याख्यान आयोजित किए गए । सन् 2013 में सात दिवसीय कार्यशाला छत्तीसगढ़ी का मानकीकरण पर एवं पाँच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें श्री श्यामलाल चतुर्वेदी, पद्मश्री सुरेंद्र दुबे, श्री दाने वर शर्मा, प्रो. राजेंद्र मिश्र, पद्मश्री मोक्षदा (ममता) चंद्राकर, प्रो. वेद प्रकाश बटुक, पद्मश्री महादेव पाण्डेय, श्री नंदकिशोर शुक्ल, श्री नरसिंह प्रसाद, प्रो. सत्यभामा आडिल, डॉ. परदेशी राम वर्मा, डॉ. बिहारी लाल साहू सहित अनेक विद्वानों ने तथा जिज्ञासु छात्र-छात्राओं एवं शोधाथ सहित 300 से अधिक लोगों ने अपने विचार रखे । सन् 2023 में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति और पत्रकारिताश का आयोजन किया गया, जिसमें पद्मश्री अनुज शर्मा, पद्मश्री अनूप रंजन पाण्डेय, श्री संजीव बख्शी (साहित्यकार), प्रो.रामनारायण पटेल (दिल्ली), श्री मनोज वर्मा (छत्तीसगढ़ी सिनेमा निर्माता, निर्देशक), सुश्री रमादत्त जोशी, डॉ. उर्मिला शुक्ल सहित अनेक विद्वानों ने अपने विचार रखें । संगोष्ठी में प्रतिदिन 200 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की ।

संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र - संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र की स्थापना 1 मई 2019 को हुई । यहाँ सत्र 2020-2021 से डिप्लोमा इन नेशनल लैंग्वेज सिंधी का कोर्स प्रारंभ हो गया है । इन तीन वर्षो में 85 विद्यार्थियों को पी.जी.डिप्लोमा की उपाधि प्राप्त हो चुकी है ।

Programme offered	Seats	Programme offered	Seats	Programme offered	Seats
M.A. (Linguistics)	20	Diploma in European and Asian Languages-English	30	Ph.D. (Linguistics)	as per university norms
M.A. (English)	30	Diploma in European and Asian Languages-French	30	Ph.D. (Hindi)	as per university norms
M.A. (Hindi)	20	Certificate course in Translation	30	Ph.D. (English)	as per university norms
M.A. (Chhattisgarhi)	40	Diploma in National Languages-Sindhi	30	D.Lit. (Linguistics)	as per university norms
M.Phil. (Linguistics)	10	M.Phil. (Hindi) M.Phil. (English)	10 10	D.Lit (Hindi)	as per university norms

Achievers (2016-2023)

Name	Programme	Designation	Department
Vinod Rautiya	MA Linguistics	Assistant Grade-3	Revenue Department, Bemetara
Rajendra Kumar Sahu	MA Chhattisgarhi	Data Entry Operator	Chhattisgarh State Electricity Board, Mahasamund
Pushpa Sahu	Certificate course in Translation	Junior Translator	C&AG Accountant General, Raipur
Reshma Rabbani	M. Phil. English, Ph. D.	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Laigen Minj	M. Phil. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Gulshan Sinha	M.A. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Vinita Parganiha	M. A. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Ashok Shrivas	M. A. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Richa Xalxo	M. Phil. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Mausumi Roy choudhary	. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Vikrant Singh	M A., M. Phil. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Mohit Kumar Kurre	. English	Assistant Professor	Higher Education Chhattisgarh Government
Shalini Bose	Certificate course in Translation	Hindi Officer in Grade E	Institute of Banking Personnel Selection, Mumbai
Anubhav Patteriya	Certificate course in Translation	Development Assistant (Hindi)	NABARD
R. Vinay	Certificate course in Translation	Junior Translator(Hindi)	South East Indian Railway, Bilaspur
Sheela Khande	M.A. Chhattisgarhi	Girl Cadet Instructer (GCI)	Directorate General NCC Ministry of Defence New Delhi

Prof. Keshari Lal Verma

1. Vice Chancellor, Chhatrapati Shivaji Maharaj University, Navi Mumbai, Maharastra
2. Ex-Vice-Chancellor, Pt. Ravishakar Shukla Univrsity, 2 Apr 2018- March 2023.
3. Chairman, Commision for Scientific & Technical Terminology, Govt. of India.
4. Director, Central Hini Directorate, Government of India.
5. Director, National Council for Promotion of Sindhi Language.
6. Dean, Faculty of Arts, Pt. Ravishakar Shukla Univrsity.
7. Member, Executive Council, Pt. Ravishakar Shukla Univrsity.
7. Head, SoS in Literature and Languages.

Shivangi Verma, Student, M.A. English

1. Scored Highiest Percentage among all the SoS of the University
2. Seleted as President of the University Student Council

Gulab Verma, Student, M.A. Hindi

1. Secured First Prize Debate 36 Inter University South-East Zone Youth Festival , Organize by Gulbarga University, Kalaburagi, 27-31 Jan 2023

Teaching Faculty

Prof. Shail Sharma
Head

Dr. Madhulata Bara
Asso. Prof.

Dr. M. Karmoker

Dr. A. Pathak

Dr. S. Mishra

Mr. A. Sharma

Dr. V. Mishra

Dr. K. Ghrithlahare

Dr. S. Singh

Mr. M.L. Nathani

Dr. P. Singh

Mrs. S.Y.Jain

S. No.	Seminar/Conference/Lecture	Date & Year
1	Three Days Lecture Series on " English Language and Literature"	24,25,26 March 2023
2	Three Days National conference on 'Chhattisgarhi Bhasha, Sanskriti Aau Patrakarita'	Feb 21-23, 2023
3	One Day National Seminar on Sindhi Bhasha, Sahitya avam Sanskriti ka vartman Paridrishya	Mar 23,2022
4	Two Day National Seminar on "Chhattisgarhi Sahitya, Lok Jeevan au Media"	Nov 29-30,2021
5	One Day National Webinar on " Chhattisgarhi lekhan me Kathinaiyan aur amadhan"	Aug 14, 2021
6	National Conference on 'Chhattisgarhi Bhasha Sanskriti Aau Loksahitya'	Nov 28,2020
7	National Conference on 'Hindi Rangmanch aur Cinema'	Nov 10,2020
8	National Conference on 'Chhattisgarhi Bhasha Aau Sanskriti'	Oct 20,2020
9	National Conference on 'Sindhi Bhasha Shikshan evan Sanrakshan'	Oct 5,2020
10	National conference on 'Hindi Bhasha ka Vaishvik Paridrishya'	Sep 14,2020
11	One Day National E-Conference on " Rashtriya Shiksha Niti aur hikshakon ki Bhumika"	Sep 5, 2020
12	International Conference on 'Language, Literature and Media in Contemporary Times'	Jul 29-30, 2020
13	National Conference on 'Hindi Sahitya aur Gandhivaad'	Oct 22-24,2019
14	Seven day Lecture Series by Aacharya Shriram Parihar	1-7 November ,2019

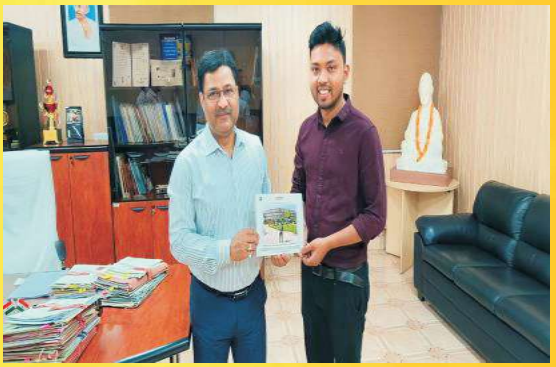

पत्रिका PLUS

रविवि : तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

गांधी आज़ादी के महानायक ही नहीं, ग्रामीण समाज के जननायक भी हैं

रायपुर ● पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाल विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन गुरुवार को हुआ। हिंदी साहित्य एवं गांधीवाद पर आयोजित इस संगोष्ठी के समापन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि विधायक सत्यनारायण शर्मा शामिल हुए। इस मौके पर शर्मा ने कहा कि गांधी का साहित्य समाज का साहित्य है। गांधी को सिर्फ भारतीय आज़ादी के महानायक के तौर ही नहीं बल्कि भारतीय ग्रामीण समाज के जननायक के रूप में हमें देखना चाहिए।

अध्यक्षता कर रहे कुलपति केएल वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से हम ऐसे कार्यक्रमों को लेकर सदैव प्रयासरत्क रहेंगे। कोलकाता से आए प्रो अरुण होता ने कहा कि गांधी हर पीढ़ी के लिए जरूरी हैं। हर स्तर के पाठ्यक्रमों में गांधी को पढ़ने और पढ़ाने की जरूरत है।

समारोह में आयोजक डॉ शैल शर्मा, डॉ सरोज चक्रधर, डॉ मधुलता बारा, रमेश नैय्यर, सुशील त्रिवेदी, इतिहासकार रमेन्द्रनाथ मिश्र, प्रो राजेश दुबे, प्रो स्मिता शर्मा, प्रो गिरजाशंकर गौतम सहित बड़ी संख्या में प्राध्यपकगण, शोधार्थी और छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

Lecture series on 'English Language and Literature' organised at PRSU

(From Right to Left) HoD Dr Shail Sharma, Vice-Chancellor Dr K L Verma, HoD Dr Kirti Tiwari and Dr Madhulata Bara during the inaugural session at Panini Hall of PRSU Raipur on Saturday.

■ Staff Reporter
RAIPUR, Mar 26

A THREE-DAY lecture series on 'English Language and Literature' has begun at Panini Hall of Pandit Ravi Shankar Shukla University (PRSU) Raipur on Saturday.

The event is being organised by the School of Studies in Literature and Languages of PRSU Raipur. Vice-Chancellor of PRSU Raipur Professor Dr K L Verma was the Chief guest at the inaugural session.

Speaking on the occasion, Dr K L Verma said that the lecture series would be helpful for the faculty members and the students to enhance their knowledge. Vice-Chancellor said that perfectness could be achievement through interaction and so it is required that more such programmes should be conducted.

Dr Verma urged the students to do hard labour to make their bright career by achieving excellence in academics. The Vice-Chancellor said that the university is ready to provide all kinds of facilities to the students.

Head of School of Studies in Literature and Languages of PRSU Dr Shail Sharma also addressed the programme.

Head of Department of Postgratude and Research Studies in English, Government J Yoganandam Chhattisgarh College Raipur Dr Kirti Tiwari was the keynote speaker.

Assistant Professor Dr T Jalja Nair addressing the programme.

Dr Tiwari delivered a lecture on 'Phrase Structure Grammar'. She explained that Phrase Structure Grammar considers sentence as a linear sequence of elements and it aims at identifying the elements for further functions. Assistant Professor Dr T Jalja Nair delivered a lecture on 'I A Richard' as a Critic. Assistant Professor and the convener of the lecture series Dr Smita Sharma conducted the proceedings of the programme.

Dr Madhulata Bara, Dr Aarti Pathak, other faculty members and students attended the programme. The event will conclude on March 28.

अंग्रेजी के आगे बढ़ा है हिन्दी का मान और सम्मान : डॉ. शैल शर्मा

भाषा बड़ी या छोटी नहीं होती, छत्तीसगढ़ी सशक्त भाषा है...

सिंधी साहित्य, संस्कृति एवं भाषा हेतु वेबिनार का प्रथम आयोजन, विश्व में 3 करोड़ सिंधी भाषी : संत युधिष्ठिर लाल जी

GLIMPSES

Academic

Cultural

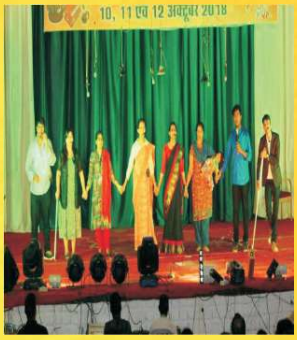

Others

संसद में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने आज रवाना होंगे नगरी के गुलाब

दैनिक लैब्सवीर » धमतरी
(दीपेश निषाद)

भारत सरकार के पार्लियामेंट रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसीज (प्राइड) द्वारा राष्ट्रीय महापुरुषों को उनकी जयंती के अवसर पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने हेतु संसद भवन के सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 9 मई को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर यू.जी.सी. द्वारा देश के अलग अलग विश्वविद्यालयों से कुल 25 छात्रों का चयन किया गया है। जिसमे से संसद भवन में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए गुलाब सिंह वर्मा का चयन हुआ है। गुलाब सिंह वर्मा, नगरी के निवासी है और वर्तमान में साहित्य एवम भाषा अध्ययन शाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी साहित्य के छात्र है। इससे पहले भी गुलाब सिंह वर्मा जोन और राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय युवा उत्सव में वाद - विवाद प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा भी उन्होंने कई बड़े मंचो पर राष्ट्रपति सम्मान से भी सम्मानित है। संसद भवन में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने गुलाब सिंह वर्मा आज दिल्ली के लिए रवाना हुए विश्विद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलसचिव शैलेंद्र पटेल, छात्र अधिष्ठाता डॉ. राजीव चौधरी, हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शैल शर्मा एवम डॉ मधुलता बारा ने हार्दिक बधाई एवं